EXCLUSIVE CALENDARS

CATALOGUE

2023

Jalan® DIARY

Estd. 1969

आरती श्री गणेश जी की

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटिसमप्रभ। निर्विघ्नं कुरु में देव सर्व कार्येषु सर्वदा।।

हे गणेश देवता ! आप विशाल रुप तथा सूर्य के समान चमकने वाले हैं। आप से आशा और माँग है कि हमेशा हमारे सभी कार्यो में कोई बाधा न हो।।

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा। माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ।। जय०।।

एक दन्त दयावन्त, चार भुजा धारी। मस्तक सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी ।। जय०।। पान चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा। लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ।। जय०।।

अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया। बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ।। जय०।। दीनन की लाजराखो शम्भु-सुत वारी। कामना को पुरा करो जग बलिहारी ।। जय०।।

गणेश वन्दना : गजाननं भूत गणादि सेवितं, कपित्थ जम्बू फल चारू भक्षणम्। उमासुतं शोक विनाश कारकं, नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम्।।

अर्थ : हाथी के मुखमण्डल वाले, प्राणियों के समूह से सेवित, कैथ-जामुन आदि फलों को चाव से खाने वाले, पार्वती के पुत्र समस्त शोक का विनाश करने वाले भगवान् विघ्नेश्वर के चरणकमलों को प्रणाम करता हूँ।

आरती श्री लक्ष्मी जी की

ओउम् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता। तुमको निशदिन सेवत, हर विष्णु धाता ।। ओउम्
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग माता। सूर्य–चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ।। ओउम्
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख–सम्पत्ति दाता। जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि सिद्धि धन पाता ।। ओउम्
तुम पाताल–निवासिनी, तुम ही शुभदाता। कर्म–प्रभाव–प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता ।। ओउम्
जिस घर तुम रहती, सब सद्गुण आता। सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ।। ओउम्
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता। खान–पान को वैभव, सब तुमसे आता ।। ओउम्
शुभ–गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि–जाता। रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ।। ओउम्
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता। उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ।। ओउम्

: श्री लक्ष्मी वन्दना :

महालक्ष्मि नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि। हरिप्रिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं दयानिधे।।

श्री यन्त्रम्

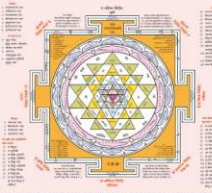

आरती श्री लक्ष्मी जी की

ओउम् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता। तुमको निशदिन सेवत, हर विष्णु धाता ।। ओउम्
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग माता। सूर्य–चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ।। ओउम्
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख–सम्पत्ति दाता। जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि सिद्धि धन पाता ।। ओउम्
तुम पाताल–निवासिनी, तुम ही शुभदाता। कर्म–प्रभाव–प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता ।। ओउम्
जिस घर तुम रहती, सब सद्गुण आता। सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ।। ओउम्
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता। खान–पान को वैभव, सब तुमसे आता ।। ओउम्
शुभ–गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि–जाता। रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ।। ओउम्
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता। उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ।। ओउम्

: श्री लक्ष्मी वन्दना :

महालक्ष्मि नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि। हरिप्रिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं दयानिधे।।

श्री यन्त्रम

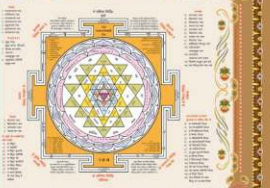

आरती श्री सरस्वती माता की

ॐ जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता ।
सद्गुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता ।। ॐ जय

चन्द्रवदिनी पद्मासिनी, द्युति मंगलकारी ।
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी ।। ॐ जय

बाएँ कर में वीणा, दाएँ कर माला ।
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला ।। ॐ जय

देवी शरण जो आए, उनका उद्धार किया ।
पीति मंथरा दासी, रावण संहार किया ।। ॐ जय

विधा ज्ञान प्रदायिनी, ज्ञान प्रकाश भरो ।
मोह, अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो ।। ॐ जय

धूप दीप फल मेवा, माँ स्वीकार करो ।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ।। ॐ जय

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे ।
हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे ।। ॐ जय

वन्दना श्री सरस्वती माता की

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता, या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता, सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेष जाड्यापहा।

हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे ।
जग सिरमौर बनायें भारत, वह बल विक्रम दे। वह बल विक्रम दे ।।
हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे ।
साहस, शील हृदय में भर दे, जीवन त्याग–तपोमय कर दे ।।
संयम सत्य स्नेह का वर दे, स्वाभिमान भर दे। स्वाभिमान भर दे ।।
हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे ।
लव, कुश, ध्रुव, प्रह्लाद बनें हम, मानवता का त्रास हरें हम,
सीता, सावित्री, दुर्गा माँ, फिर घर–घर भर दे। फिर घर–घर भर दे ।।
हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे ।

श्री दुर्गा चालीसा

नमो नमो दुर्गे सुख करनी।
नमो नमो अम्बे दुखहरनी।।
निरंकार है ज्योति तुम्हारी।
तिहूँ लोक फैली उजियारी।।
शशि ललाट मुख महाविशाला।
नेत्र लाल भृकुटी विकराला।।
रूप मातु को अधिक सुहावे।
दरश करत जन अति सुख पावे।।
तुम संसार शक्ति लय कीना।
पालन हेतु अन्न धन दीना।।
अन्नपूर्णा हुई जग पाला।
तुम ही आदि सुन्दरी बाला।।
प्रलयकाल सब नाशन हारी।
तुम गौरी शिव शंकर प्यारी।।
शिव योगी तुम्हरे गुण गावें।
ब्रह्मा विष्णु तुम्हें नित ध्यावें।।
रूप सरस्वती को तुम धारा।
दे सुबुद्धि ऋषि मुनिन उबारा।।
धरा रूप नरसिंह को अम्बा।
परगट भई फाड़ कर खम्बा।।
रक्षा करि प्रहलाद बचायो।
हिरणाकुश को स्वर्ग पठायो।।
लक्ष्मी रूप धरो जग माहीं।
श्री नारायण अंग समाहीं।।
क्षीरसिंधु में करत विलासा।
दयासिंधु दीजे मन आसा।।
हिंगलाज में तुम्हीं भवानी।
महिमा अमित न जात बखानी।।
मातंगी धूमावती माता।
भुवनेश्वरि बगला सुख दाता।।
श्री भैरव तारा जग तारिणी।
छिन्न भालभव दुःख निवारिणी।।
केहरी वाहन सोह भवानी।
लंगुर वीर चलत अगवानी।।
कर में खप्पर खड्ग विराजे।
जाको देख काल डर भाजे।।
सोहे अस्त्र और त्रिशूला।
जाते उठत शत्रु हिय शूला।।
नगरकोट में तुम्हीं विराजत।
तिहूँ लोक में डंका बाजत।।
शुम्भ निशुम्भ दानव तुम मारे।
रक्त बीज शंखन संहारे।।
महिषासुर नृप अति अभिमानी।
जेहि अघ भार मही अकुलानी।।
रूप कराल कालिका को धारा।
सेन सहित तुम तिहि संहारा।।
परी गाढ़ सन्तन पर जब जब।
भई सहाय मातु तुम तब तब।।
अमर पुरी अरेरी सब लोका।
तब महिमा सब रहे अशोका।।
ज्वाला में है ज्योति तुम्हारी।
तुम्हें सदा पूजें नरनारी।।
प्रेम भक्ति से जो जस गावे।
दुःख दारिद्र निकट नहीं आवे।।
ध्यावे तुम्हें जो नर मन लाई।
जन्म मरण ताको छुटि जाई।।
जोगी सुर मुनि कहत पुकारी।
योग न हो बिन शक्ति तुम्हारी।।
शंकर आचारज तप कीनो।
काम और क्रोध जीति सब लीनो।।
निशिदिन ध्यान धरो शंकर को।
काहु काल नहिं सुमिरो तुमको।।
शक्ति रूप को मरम न पायो।
शक्ति गई तब मन पछितायो।।
शरणागत हुई कीर्ति बखानी।
जय जय जय जगदंब भवानी।।
भई प्रसन्न आदि जगदंबा।
दई शक्ति नहीं कीन विलंबा।।
मोको मातु कष्ट अति घेरो।
तुम बिन कौन हरे दुःख मेरो।।
आशा तृष्णा निपट सतावे।
रिपु मुरख मोहि अति डरपावे।
शत्रु नाश कीजे महारानी।
सुमिरौं इकचित तुम्हें भवानी।।
करो कृपा हे मातु दयाला।
ऋद्धि सिद्धि दे करहु निहाला।।
जब लगि जियौं दयाफल पाऊँ।
तुम्हरो जस मैं सदा सुनाऊँ।।
दुर्गा चालीसा जो कोई गावै।
सब सुख भोग परम पद पावै।।

देवी दास शरण निज जानी। करहु कृपा जगदंबा भवानी।।

श्री महामृत्युन्जय मन्त्र

अघोरेभ्यो, अथघोरेभ्यो, घोरघोरतरेभ्यः।
सर्पतः शर्वसर्वेभ्यो। नमस्ते अस्तु रूद्ररूपेभ्यः।
मृत्युंजय, त्र्यंबक, सदाशिव नमस्ते।

ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टि वर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

भावार्थ : हम भगवान शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक श्वास में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जावे। जिस प्रकार एक ककड़ी बेल में पक जाने के बाद उस बेल रूपी संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार रूपी बेल में पक जाने के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव के लिए मुक्त हो जाएं और आपके चरणों की अमृतधारा का पान करते हुए शरीर को त्याग कर आप में लीन हो जावें।

मंत्र लाभ :- यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल मृत्यु, दुर्घटना इत्यादि)। यह मंत्र सर्प एवं बिच्छु के काटने पर भी अपना पूरा प्रभाव रखता है। इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त करना। यह मंत्र हर बीमारी को भगाने का बड़ा शस्त्र है।

MAHA-MRITYUNJAYA MANTRA

Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushti Vardhanam,
Urvaarukamiva Bandhanaat Mrityormuksheeya Maamritat.

MEANING :- We worship the three-eyed One (Lord Shiva) Who is fragrant and who nourishes well all beings, may he liberate us from death for the sake of immortality even as the cucumber is severed from its bondage (to the creeper).

BENEFITS :- This Maha Mrityunjay Mantra is a life giving Mantra. In these days, when life is very complex and accidents are everyday affairs, this Mantra wards off death by snakebite, lightening, motor accidents, air-accidents and accidents of all descriptions. Besides, it has a great curative effect. Again, diseases pronounced incurable by doctors are cured by this Mantra, when chanted with sincerity, faith and devotion. It is a weapon against diseases. It is a Mantra to conquer death.

श्री महामृत्युन्जय मन्त्र

अघोरेभ्यो, अथघोरेभ्यो, घोरघोरतरेभ्यः।
सर्वतः शर्वसर्वेभ्यो। नमस्ते अस्तु रुद्ररूपेभ्यः।
मृत्युंजय, त्र्यंबक, सदाशिव नमस्ते।

ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टि वर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

भावार्थ : हम भगवान शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक श्वास में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जाये। जिस प्रकार एक ककड़ी बेल में पक जाने के बाद उस बेल रूपी संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार रूपी बेल में पक जाने के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव के लिए मुक्त हो जाएं और आपके चरणों की अमृतधारा का पान करते हुए शरीर को त्याग कर आप में लीन हो जावें।

मंत्र लाभ :- यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल मृत्यु, दुर्घटना इत्यादि)। यह मंत्र सर्प एवं बिच्छु के काटने पर भी अपना पूरा प्रभाव रखता है। इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त करना। यह मंत्र हर बीमारी को भगाने का बड़ा शस्त्र है।

आरती ओ३म् जय जगदीश हरे

ओ३म् जय जगदीश हरे, प्रभु! जय जगदीश हरे। भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करे ।।ओ३म्।।
जो ध्यावे फल पावे, दुख बिनसे मन का। प्रभु। सुख सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का ।।ओ३म्।।
मात–पिता तुम मेरे, शरण गहूँ किसकी। प्रभु। तुम बिन और न दूजा, आस करूँ जिसकी ।।ओ३म्।।
तुम पूर्ण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी। प्रभु। पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ।।ओ३म्।।
तुम करुणा के सागर, तुम पालन–कर्ता। प्रभु। मैं मूर्ख खल कामी, कृपा करो भर्ता ।।ओ३म्।।
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति। प्रभ। कि बिधि मिलूं दयामय! तुमको मैं कुमति ।।ओ३म्।।
दीनबन्धु दुखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे। प्रभु। अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ।।ओ३म्।।
विषय–विकार मिटाओ, पाप हरो देवा। प्रभु। श्रद्धा–भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा ।।ओ३म्।।
तन मन धन सब कुछ है तेरा। प्रभु। तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ।।ओ३म्।।
ओ३म् जय जगदीश हरे, प्रभु! जय जगदीश हरे। भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करे ।।ओ३म्।।

आरती श्री कुंज बिहारी जी की

आरती कुंजबिहारी की। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।

गले में बैजयन्ती माला। बजावै मुरली मधुर बाला। श्रवन में कुण्डल झलकाला। नंद के आनन्द नन्दलाला।
गगन सम अंग कांति काली। राधिका चमक रही आली। लतन में ठाडे बनमाली। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।
भ्रमर सी अलक। कस्तूरी तिलक चंद्र सी झलक। ललित छवि श्यामा प्यारी की।। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।
कनकमय मोर मुकुट बिलसै। देवता दरसन को तरसें। गगन सों सुमन रासि बरसे। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।
बजे मुरचंग। मधुर मिरदंग ग्वालिनी संग। अतुल रति गोप कुमारी की।। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।
जहाँ ते प्रकट भई गंगा। सकल-मल-हारिणी श्री गंगा। स्मरन ते होत मोह भंगा। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।
बसी शिव सीस जटाके बीच। हरै अघ कीच। चरन छवि श्री बनवारी की।। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।
चमकती उज्जवल तट रेनु। बज रही वृन्दावन बेनू। चहुँ दिसि गोपि ग्वाल धेनू। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।
हँसत मृदु मंद चाँदनी चंद। कटत भवफन्द, टेर सुन दीन दुखारी की।। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।।

आरती श्री रामचन्द्र जी की

श्री रामचन्द कृपालु भजु मन, हरण भव भय दारुणम्। नवकंजलोचन, कंज–मुख कर–कंज पद–कंजारूणम्।।
कन्दर्प अगणित अमित छवि, नवनील–नीरज–सुंदरम्। पटपीत मानहूं तड़ित रूचि शुचि, नौमि जनक सुता–वरम्।।
भजु दीनबंधु, दिनेश दानव – दैत्यवंश – निकंदनम्। रघुनंद आनँदकंद कोशलचंद दशस्थ – नंदनम्।।
सिर मुकुट कुडल तिलक चारू उदार अंगविभूषणम्। आजानुभुज शर – चाप – धर, संग्राम – जित – खर–दूषणम्।।
इति वदति तुलसीदास शंकर – शेष – मुनि – मन – रंजनम्। मम हृदय कंज निवास कुरु, कामादि खल–दल–गंजनम्।।
मन जाहि राचेउ मिलिहि सो बर सहज सुंदर सांवरो। करूनानिधान सुजान सीलु सनेहु जानत रावरो।।
एहि भंति गौरि आशीष सुनि सिय सहित हियरू हर्षित अली। तुलसी भवानिहिं पूजि पुनिपुनि मुदित मन मंदिर चली।।
जानि गौरि अनुकूल, सिय हिय हरषु न जाई कहि। मुंजुल मंगल मूल, बाम अंग फरकन लगे।।

श्रीराम - स्तुति

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन, हरण भय भय दारुणम्। नवकंजलोचन, कंज-मुख कर-कंज पद-कंजारुणम्।।
कन्दर्प अगणित अमित छवि, नवनील-नीरज-सुंदरम्। पटपीत मानहू तड़ित रुचि शुचि, नौमि जनक सुता-वरम्।।
भजु दीनबंधु, दिनेश दानव - दैत्यवंश - निकंदनम्। रघुनंद आनँदकंद कोशलचंद दशरथ - नंदनम्।।
सिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदार अंगविभूषणम्। आजानुभुज शर - चाप - धर, संग्राम - जित - खर-दूषणम्।।
इति वदति तुलसीदास शंकर - शेष - मुनि - मन - रंजनम्। मम हृदय कंज निवास कुरु, कामादि खल-दल-गंजनम्।।
मन जाहि राचेउ मिलिहि सो बर सहज सुंदर सांवरो। करुनानिधान सुजान सीलु सनेहु जानत रावरो।।
एहि भाँति गौरि असीस सुनि सिय सहित हियँ हरषित अली। तुलसी भवानिहि पूजि पुनिपुनि मुदित मन मंदिर चली।।
जानि गौरि अनुकूल, सिय हिय हरषु न जाई कहि। मंजुल मंगल मूल, बाम अंग फरकन लगे।।

श्रीरामावतार

भए प्रगट पाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी। हरषित महतारी मुनि मन हरी अद्भुत रूप बिचारी।।
लोचन अभिरामा तनु घनस्यामा निज आयुध भुज चारी। भूषन बनमाला नयन बिसाला सोभासिंधु खरारी।।
कह दुइ कर जोरी अस्तुति तोरी केहि बिधि करौं अनंता। माया गुन ग्यानातीत अमाना बेद पुराज भजंता।।
करुना सुखसागर सब गुन आगर जेहि गावहिं श्रुति संता। सो मम हित लागी जन अनुरागी भयउ प्रगट श्रीकंता।।
ब्रह्माण निकाया निर्मित माया रोम रोम प्रति बेद कहे। मम उर सो बासी यह उपहासी सुनत धीर मति थिर न रहे।।
उपजा जब ग्याना प्रभु मुसुकाना चरित बहुत बिधि कीन्ह चहे। कहि कथा सुहाई मातु बुझाई जेहि प्रकार सुत प्रेम लहे।।
माता पुनि बोली सो मति डोली तजहु तात यह रूपा। कीजै सिसुलीला अति प्रियासीला यह सुख परम अनूपा।।
सुनि बचन सुजाना रोदन ठाना होइ बालक सुरभूपा। यह चरित जे गावहिं हरिपद पावहिं ते न परहिं भवकूपा।।

श्री हनुमान चालीसा

श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधारि । बरनऊँ रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि ।। बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार । बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार ।।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ।।
रामदूत अतुलित बल धामा ।
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा ।।
महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
कुमति निवार सुमति के संगी ।।
कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुंडल कुंचित केसा ।।
हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै ।
काँधे मूँज जनेऊ साजै ।।
शंकर सुवन केसरी नंदन ।
तेज प्रताप महा जग वंदन ।।
विद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ।।
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ।।

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ।।
भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचन्द्र के काज सँवारे ।।
लाय संजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ।।
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ।।
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ।।
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ।।
जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
कबि कोबिद कहि सकै कहाँ ते ।।
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ।।

तुम्हरो मन्त्र बिभीषण माना ।
लंकेस्वर भए सब जग जाना ।।
जुग सहस्र जोजन पर भानू ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ।।
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ।।
दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ।।
राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ।।
सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
तुम रक्षक काहू को डरना ।।
आपन तेज सम्हारो आपै ।
तीनों लोक हाँक ते काँपै ।।
भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ।।

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरंतर हनुमत बीरा ।।
संकट तें हनुमान छुड़ावै ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ।।
सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिनके काज सकल तुम साजा ।।
और मनोरथ जो कोई लावै ।
सोई अमित जीवन फल पावै ।।
चारों जुग प्रताप तुम्हारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ।।
साधु संत के तुम रखवारे ।
असुर निकंदन राम दुलारे ।।
अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ।।
राम रसायन तुम्हरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ।।

तुम्हरे भजन राम को पावै ।
जनम जनम के दुःख बिसरावै ।।
अंत काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ।।
और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेइ सर्ब सुख करई ।।
संकट कटै मिटै सब पीरा ।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ।।
जय जय जय हनुमान गोसाईं ।
कृपा करहु गुरु देव की नाईं ।।
जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बंदि महा सुख होई ।।
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ।।
तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ।।

दोहा: पवनतनय संकट हरन, मंगल मूरति रूप । राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप ।।

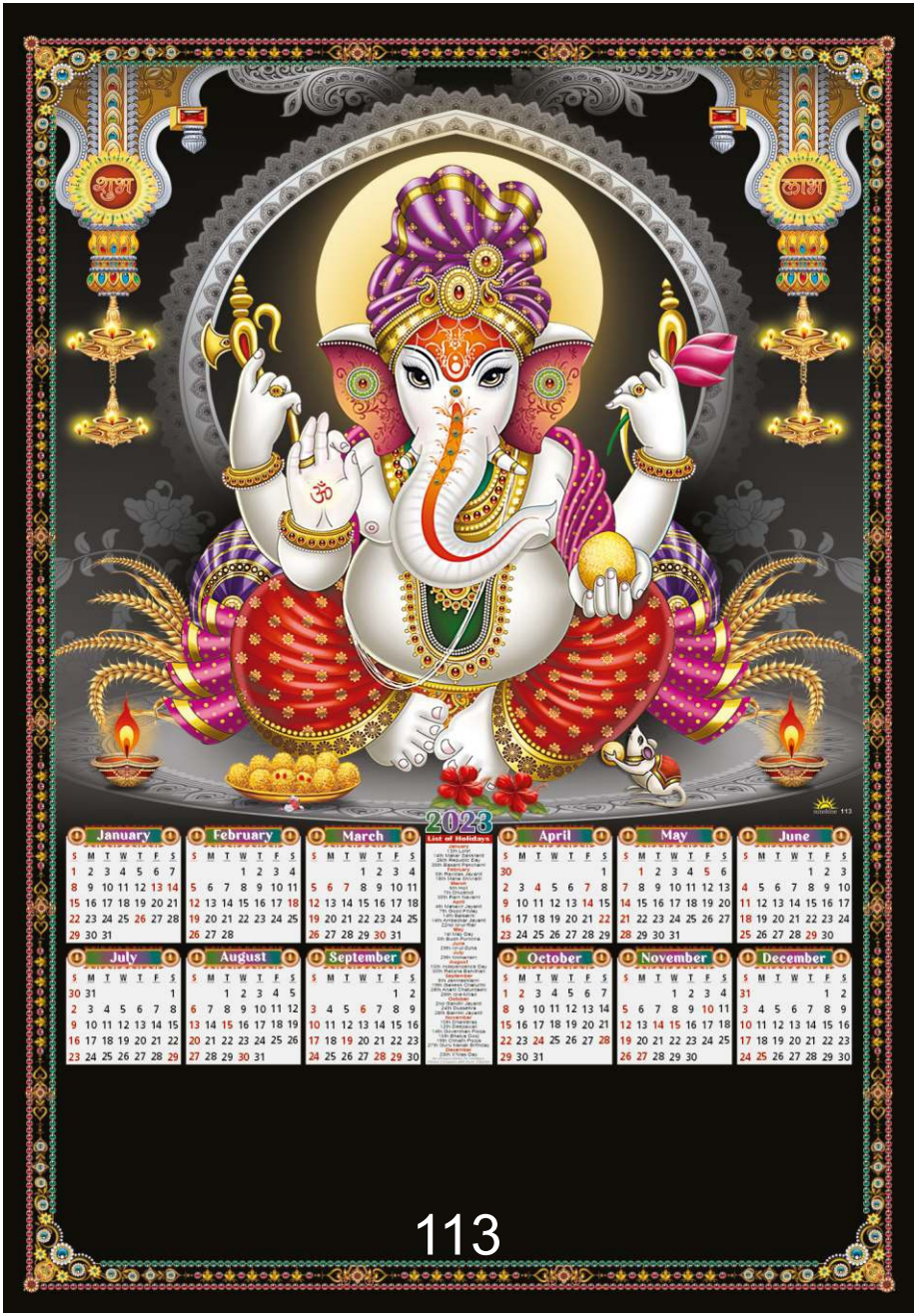

2023

List of Holidays

January
13th Lohri
14th Makar Sankranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami

February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri

March
8th Holi
7th Dhulandi
30th Ram Navami

April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Idul-Fitr

May
1st May Day
5th Budh Purnima

June
29th Idul-Zuha

July
29th Moharram

August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan

September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
28th Id-e-Milad

October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dussehra
28th Balmiki Jayanti

November
10th Dhanteras
12th Deepawali
14th Govardhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday

December
25th X'Mas Day

January

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

April

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

May

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

August

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

S	M	T	W	T	F	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

2023

January

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

List of Holidays

January
13th Lohri
14th Makar Sankranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami
February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri
March
8th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami
April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitar
May
1st May Day
5th Budh Purnima
June
29th Id-ul-Zuha
July
29th Moharram
August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan
September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
29th Id-e-Milad
October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dussehra
28th Balmiki Jayanti
November
10th Dhanteras
12th Deepawali
14th Goverdhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday
December
25th X'Mas Day

April

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

May

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

August

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

S	M	T	W	T	F	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

2023

January

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

List of Holidays

January
13th Lohri
14th Makar Sankranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami
February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri
March
8th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami
April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitr
May
1st May Day
5th Budh Purnima
June
29th Id-ul-Zuha
July
29th Muharram
August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan
September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
28th Id-e-Milad
October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dussehra
28th Balmiki Jayanti
November
10th Dhanteras
12th Deepawali
14th Govardhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday
December
25th X-Mas Day

April

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

May

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

August

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

S	M	T	W	T	F	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

2023

January

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

April

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

May

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

August

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

S	M	T	W	T	F	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

List of Holidays

January
13th Lohri
14th Makar Sankranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami
February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri
March
6th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami
April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Idul-Fitr
May
1st May Day
5th Budh Purnima
June
29th Id-ul-Zuha
July
29th Moharram
August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan
September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
28th Id-e-Milad
October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dussehra
28th Balmiki Jayanti
November
10th Dhanteras
12th Deepawali
14th Govardhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday
December
25th X'mas Day

2023

January

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

List of Holidays

January
13th Lohri
14th Makar Sankranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami
February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri
March
8th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami
April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitr
May
1st May Day
5th Budh Purnima
June
29th Id-ul-Zuha
July
29th Moharram
August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan
September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
28th Id-e-Milad
October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dussehra
28th Balmiki Jayanti
November
10th Dhanteras
12th Deepawali
14th Goverdhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday
December
25th X'mas Day

April

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

May

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

August

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

S	M	T	W	T	F	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

117

2023

January

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

List of Holidays

January
13th Lohri
14th Makar Sankranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami
February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri
March
8th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami
April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitr
May
1st May Day
5th Budh Purnima
June
29th Id-ul-Zuha
July
29th Moharram
August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan
September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
29th Id-e-Milad
October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dussehra
28th Balmiki Jayanti
November
10th Dhanteras
12th Deepawali
14th Goverdhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday
December
25th X'mas Day

April

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

May

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

August

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

S	M	T	W	T	F	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

श्री सद्‌गुरू साँईबाबा के ग्यारह वचन

जो शिरडी में आएगा। आपद दूर भगाएगा ॥१॥
चढ़े समाधी की सीढ़ी पर। पैर तले दुःख की पीढ़ीपर ॥२॥
त्याग शरीर चला जाँऊगा। भक्त हेतु दौड़ा आँऊगा ॥३॥
मन में रखना दृढ़ विश्वास। करे समाधी पूरी आस ॥४॥

मुझे सदा जीवित जानों। अनुभव करो सत्य पहचानो ॥५॥
मेरी शरण आ खाली जाये। हो तो कोई मुझे बताये ॥६॥
जैसा भाव रहा जिस जन का। वैसा रूप हुआ मेरे मन का ॥७॥
भार तुम्हारा मुझ पर होगा। वचन न मेरा झूठा होगा ॥८॥

आ सहायता लो भरपूर। जो माँगा वह नहीं है दूर ॥९॥
मुझ में लीन वचन मन काया। उसका ऋण न कभी चुकाया ॥१०॥
धन्य-धन्य वह भक्त अनन्य। मेरी शरण तज जिसे न अन्य ॥११॥
ॐ साँई नमो नमः, श्री साँई नमो नमः। सतगुरू साँई नमो नमः, जय जय साँई नमो नमः ॥

साँई सार

- जिस तरह कीड़ा कपड़ों को कुतर डालता है, उसी तरह ईर्ष्या मनुष्य को।
- क्रोध मूर्खता से शुरू होता है और पश्चाताप् पर खत्म होता है।
- नम्रता से देवता भी मनुष्य के वश में हो जाते हैं।
- सम्पन्नता मित्रता बढ़ाती है, विपदा उनकी परख करती है।
- एक बार निकले बोल वापस नहीं आ सकते, इसलिए सोच कर बोलो।
- तलवार की चोट उतनी तेज नहीं होती, जितनी जिव्हया की।
- धीरज के सामने भयंकर संकट भी धुँए के बादलों की तरह उड़ जाते हैं।
- तीन सच्चे मित्र है: बूढ़ी पत्नी, पुराना कुत्ता और पास का धन।
- मनुष्य के तीन सद्गुण है: आशा विश्वास और दान।
- घर में मेल होना पृथ्वी पर स्वर्ग के समान है।
- मनुष्य की महत्ता उसके कपड़ों से नहीं वरन् उसके आचरण से जानी जाती है।
- दूसरों के हित के लिए अपने सुख का भी त्याग करना सच्ची सेवा है।
- भूत से प्रेरणा लेकर वर्तमान में भविष्य का चिन्तन करना चाहिए।
- जब तुम किसी की सेवा करो तब उसकी त्रुटियों को देखकर उससे घृणा नहीं करनी चाहिए।
- मनुष्य के रूप में परमात्मा सदा हमारे सामने है, उनकी सेवा करो।
- अन्धा वह नहीं जिसके आँखें नहीं, अन्धा वह है जो अपने दोषों को ढकता है।
- चिंता से रूप, बल और ज्ञान का नाश होता है।
- दूसरे को गिराने की कोशिश में तुम स्वयं गिर जाओगे।
- प्रेम मनुष्य को अपनी ओर खींचने वाला चुम्बक है।

محمد
الله
صلی اللہ علیہ وسلم
اللہ اکبر
لا اله الا الله محمد رسول الله
آیت الکرسی
دوکان اور مکان کی خیر وبرکت کے لیے
قل

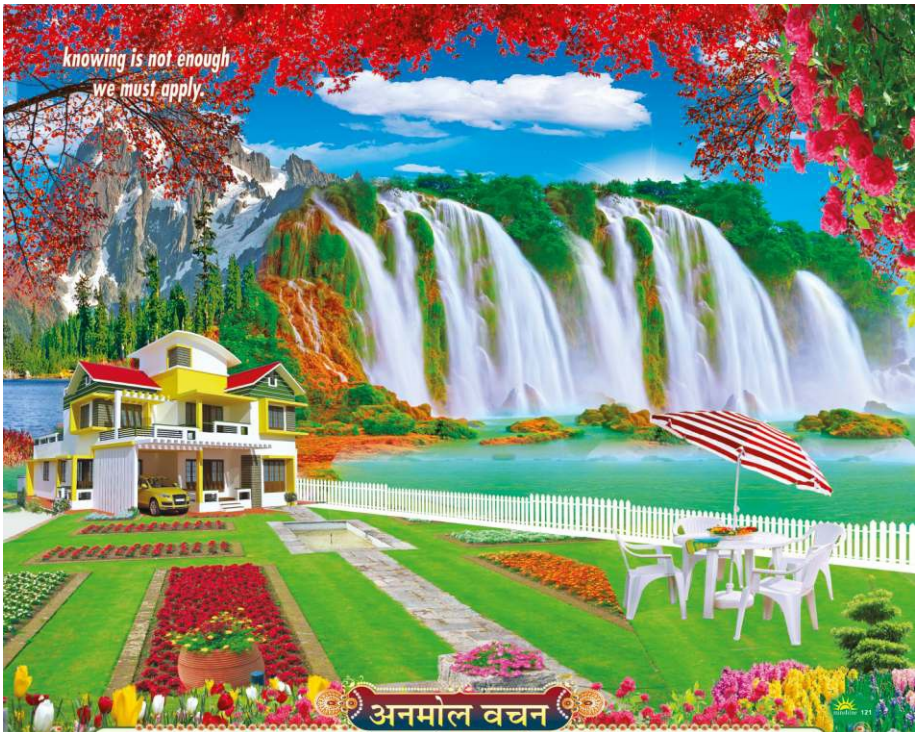

अनमोल वचन

दुनियाँ का सबसे बड़ा जेवर आपकी अपनी मेहनत है।
जो हाथ सेवा के लिए उठते हैं, वे प्रार्थना करने वाले होठों से अधिक पवित्र हैं।

इस तरह न कमाओ कि पाप हो जाए। इस तरह न खर्च करो कि कर्ज़ हो जाए
इस तरह न खाओ कि मर्ज़ हो जाए। इस तरह न बोलो कि क्लेश हो जाए
इस तरह न चलो कि देर हो जाए। इस तरह न सोचो कि चिंता हो जाए

धन से

धन से पुस्तक मिलती है, किन्तु ज्ञान नहीं।
धन से आभूषण मिलता है, किन्तु रूप नहीं।
धन से सुख मिलता है, किन्तु आनन्द नहीं।
धन से साथी मिलते है, किन्तु सच्चे मित्र नहीं।
धन से भोजन मिलता है, किन्तु भूख नहीं।
धन से दवा मिलती है, किन्तु स्वास्थ्य नहीं।
धन से एकान्त मिलता है, किन्तु शान्ति नहीं।
धन से बिस्तर मिलते हैं, किन्तु नींद नहीं।

एक चीज

जीतने के लिए कोई चीज है तो	•	प्रेम
पीने के लिए कोई चीज है तो	•	क्रोध
खाने के लिए कोई चीज है तो	•	गम
देने के लिए कोई चीज है तो	•	दान
दिखाने के लिए कोई चीज है तो	•	दया
लेने के लिए कोई चीज है तो	•	ज्ञान
कहने के लिए कोई चीज है तो	•	सत्य
रखने के लिए कोई चीज है तो	•	इज्जत
फेंकने के लिए कोई चीज है तो	•	ईर्ष्या
छोड़ने के लिए कोई चीज है तो	•	मोह

आँखों में क्या है

पिता की आँखों में	•	फर्ज	माता की आँखों में	•	ममता
बहिन की आँखों में	•	स्नेह	अमीर की आँखों में	•	घमण्ड
मित्र की आँखों में	•	सहयोग	दुश्मन की आँखों में	•	बदला

भाई की आँखों में	•	प्यार
गरीब की आँखों में	•	आशा
सज्जन की आँखों में	•	दया

सत्य से कमाया "धन" हर प्रकार से सुख देता है। छल व कपट से कमाया "धन" दुःख ही दुःख देता है।

DEAR CUSTOMERS

It gives us immense pleasure to continue making
new range of Crystal Diamond Calendars
Jumbo Calendars, Magical Calendars
UV Glitter Wall Calendars, Table Calendars,
Office Date Calendars etc.
When you're aiming for Success, you need
reliable Partners.
You have a partner whose passion
and performance have been driving Printing forward
for over 32 years.
You can benefit from a unique range of products and services
consistently focused on one Single goal-customer satisfaction.

Wishing you happy & prosperous
new year

2023